ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 19 अंक 20 कुल पृष्ठ-8 12 से 18 सितम्बर, 2024 दयानन्दाब्द 200 सृष्टि सम्वत् 1960853125 सम्वत् 2081 भा. शु-09

लाखों बंधुआ मजदूरों को पुनर्वासित करवाने वाले, मानव अधिकारों के अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को समर्पित क्रांतिकारी आर्य संन्यासी स्वामी अग्निवेश जी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर सार्वदेशिक सभा के सभागार में स्मृति सभा का भव्य आयोजन

स्वामी अग्निवेश जी एक महामानव थे – गोस्वामी सुशील जी महाराज

स्वामी अग्निवेश जी मानव अधिकारों के प्रबल प्रवक्ता थे – स्वामी आर्यवेश

स्वामी अग्निवेश महर्षि दयानन्द जी के सच्चे अनुयायी थे – स्वामी प्रणवानन्द

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्य संन्यासी स्वामी अग्निवेश जी की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 11 सितम्बर, 2024 को सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 आसफ अली रोड (रामलीला मैदान), नई दिल्ली–2 के सभागार में स्मृति सभा का विशेष आयोजन किया गया। सभा का शुभारम्भ यज्ञ से हुआ। स्मृति सभा में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर आर्य समाज के यशस्वी संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी, अनेक गुरुकुलों के संचालक स्वामी प्रणवानन्द जी, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री क्रांतिकारी युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द जी एडवोकेट, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के कार्यकारी प्रधान श्री रामनिवास आर्य नारनौल, युवा सामाजिक कार्यकर्ता श्री हवा सिंह हुड्डा, बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या तथा संयोजक बहन प्रवेश आर्या, सर्वधर्म संवाद के संयोजक श्री मनु सिंह, श्री राजेश याज्ञिक अध्यक्ष बंधुआ मुक्ति मोर्चा राजस्थान आदि के अतिरिक्त विशेष रूप से भारतीय सर्वधर्म संसद के अध्यक्ष गोस्वामी सुशील जी महाराज, जैन सन्त श्री विवेक मुनि जी, मौलाना शाहीन कासमी, डॉ. एम. डी. थॉमस, बौद्ध सन्त आचार्य येशी जी, वरिष्ठ पत्रकार श्री विनोद अग्निहोत्री आदि प्रमुख धर्माचार्य भी स्वामी अग्निवेश जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पधारे।

स्मृति सभा में सर्वप्रथम सर्वधर्म संसद के अध्यक्ष गोस्वामी सुशील जी महाराज, जैन मुनि विवेक जी, मौलाना शाहीन कासमी जी, आचार्य येसी जी, डॉ. एम.डी. थॉमस जी, स्वामी प्रणवानन्द जी को शॉल एवं पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त बंधुआ मुक्ति मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ता सर्वश्री राजेश याज्ञिक जी राजस्थान, मायाराम फरीदाबाद, रामशरण जी पाली, बहन शशि अहिरवार जी गुना, शिवपुरी, श्री नत्थू जी चित्रकूट, अश्वनी जी, भानू प्रसाद जी गढ़ी को शॉल एवं 11–11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात् सभी वक्ताओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

गोस्वामी सुशील जी महाराज ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी महाराज एक संत थे। उनके नेतृत्व में सर्वधर्म संसद की स्थापना हुई। स्वामी अग्निवेश जी कभी सिद्धांत से समझौता नहीं करते थे। वे आज हम सभी के बीच में भले ही नहीं हैं परन्तु वे सदैव अमर रहेंगे। हम सभी को मिलकर उनके अधूरे कार्यो को आगे बढ़ाना चाहिए।

सार्वदेशिक सभा के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने क्रांतिकारी संन्यासी स्वामी अग्निवेश जी का

शेष पृष्ठ 4 पर

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

पृष्ठ 1 का शेष

स्वामी अग्निवेश जी एक निर्भीक संन्यासी थे – स्वामी आदित्यवेश

स्वामी अग्निवेश जी सदैव आन्दोलनरत रहे – विनोद अग्निहोत्री

स्वामी अग्निवेश जी अन्तिम सांस तक गरीब, बेसहारा बंधुआ मजदूरों की लड़ाई लड़ते रहे – बिरजानन्द एडवोकेट

संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके जीवन से सम्बन्धित अनेक घटनाओं को सुनाया। स्वामी अग्निवेश जी ने अपनी सारी सुख–सुविधाओं को त्यागकर मानवता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करके हरियाणा को अपनी कर्मस्थली बनाकर कार्य प्रारम्भ किया।

अनेक गुरुकुलों के संस्थापक एवं संचालक स्वामी प्रणवानन्द जी ने कहा कि एक बार मैंने स्वामी अग्निवेश जी से पूछा कि आप आर्य हो या आर्य समाजी हो, तो उन्होंने कहा कि मैं आर्य हूँ। स्वामी अग्निवेश जी का चिन्तन और कार्य हम सभी को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। वे महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के सच्चे अनुयायी थे।

क्रांतिकारी युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी का स्पष्ट कहना था कि सभी को रोटी, कपड़ा, मकान और चिकित्सा की सुविधा समान रूप से मिलनी चाहिए। स्वामी अग्निवेश जी सच्चाई को कहने में कभी चूकते नहीं थे। वे एक निर्भीक संन्यासी थे।

जैन सन्त श्री विवेक मुनि जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी का पूरा जीवन क्रांतिकारी था। वे आजीवन समाज की भलाई के लिए संघर्ष करते रहे और कभी भी मानवता विरोधी बातों को स्वीकार नहीं किया। ऐसे महामानव धरती पर कभी–कभी पैदा होते हैं।

मौलाना शाहीन कासमी जी ने स्वामी अग्निवेश जी को शायरी के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी के जीवन से हमेशा प्रेरणा ली जा सकती है। स्वामी जी अपने जीवन में जिन–जिन मुद्दों को उठाया वे सभी मुद्दे महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के मुद्दे हैं। स्वामी अग्निवेश जी मानवता के पुजारी थे। स्वामी अग्निवेश जी किसी भी धर्म, मजहब में कमी देखते थे तो वे उस अवश्य बोलते थे। उन्होंने कभी मुस्लिम तुष्टीकरण की बात नहीं की।

वरिष्ठ पत्रकार श्री विनोद अग्निहोत्री जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी से मेरा काफी पुराना सम्पर्क था। उन्होंने कहा कि स्वामी जी की समाज के प्रति प्रतिबद्धता थी। देश और विदेश में कहीं भी हो वे गरीब, मजदूर, किसान के पक्ष में खड़े रहते थे। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते थे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी साहसी और

निर्भीक संन्यासी थे। स्वामी अग्निवेश जी का अचानक हम सभी के बीच से चले जाना जहाँ मैं अपनी व्यक्तिगत क्षति मानता हूँ वहीं समाज एवं राष्ट्र की भी बहुत बड़ी क्षति हुई है।

आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के कार्यकारी प्रधान श्री राम निवास आर्य जी ने स्वामी अग्निवेश जी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें गरीब, मजदूर, बेसहारा लोगों का मसीहा बताया।

स्वामी विजयवेश जी ने स्वामी अग्निवेश जी को एक संघर्षशील संन्यासी की संज्ञा दी।

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट ने कहा कि जिन कार्यों को कई वर्षों तक कोई नहीं कर पाया, उसे स्वामी अग्निवेश जी ने करके दिखाया। चाहे वह सती प्रथा के खिलाफ कानून बनवाने वाली बात हो या अन्य आंदोलन रहे हों स्वामी जी ने बढ़–चढ़कर नेतृत्व किया। हम उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए कृत संकल्पित हैं।

श्री मनु सिंह जी ने स्वामी अग्निवेश जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हम सभी को यह चिन्तन करने की आवश्यकता है कि स्वामी जी द्वारा प्रारम्भ किये गये कार्यों को हम कितना आगे बढ़ा पाये हैं।

बहन शशि अहिरवार ने अपनी ओर से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वामी अग्निवेश जी हम सभी के प्रेरणा स्रोत रहे हैं। स्वामी जी से ही प्रेरित होकर आज मैं आदिवासी लोगों के हितों के लिये निरन्तर कार्य कर रही हूं।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन प्रवेश आर्या जी ने स्वामी अग्निवेश जी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वामी जी के कार्यों को देखकर हमने अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित किया।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी एक आंदोलन थे, वे कोई साधारण मानव नहीं थे। स्वामी अग्निवेश जी बचपन से ही त्याग के मार्ग पर चलते रहे। उनका जीवन क्रांतिकारी था। उनके अंदर महिलाओं के उत्थान की भावना हमेशा उद्वेलित होती रहती थी। वे समाज में महिलाओं की बराबरी की वकालत करते रहते थे।

नरेला, दिल्ली से पधारे श्री रामपाल आर्य जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी ने अपना पूरा जीवन समाज के कार्यों के लिए समर्पित किया। वे कभी भी असत्य से समझौता नहीं करते थे।

बंधुआ मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजेश याज्ञिक जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी का पूरा जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित रहा।

आचार्य विद्या प्रसाद मिश्र जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश का जीवन निराला था। उनका साहस देखते ही बनता था। आर्य समाज में आज वैसा व्यक्तित्व देखने को नहीं मिलता। स्वामी अग्निवेश जी वास्तव में अग्नि थे। स्वामी अग्निवेश जी से प्रेरित होकर हजारों युवाओं ने अपने आपको आर्य समाज में झोंक दिया।

डॉ. एम.डी. थॉमस जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी के द्वारा किये गए कार्य मुझे हमेशा याद रहेंगे। उन्होंने स्वामी अग्निवेश जी के साथ मिलकर किये गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण सुनाया। डॉ. थॉमस ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे।

आचार्य येसी जी ने स्वामी अग्निवेश जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें महामानव बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी से मिलने पर हमारे धर्मगुरु दलाई लामा जी भी कहा करते थे कि यह मेरा सौभाग्य है जो स्वामी अग्निवेश जी से मिलने का मौका मिला।

आचार्य मेघश्याम जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी के बाद ऐसा लगता है आर्य समाज शिथिल हो गया है। स्वामी

अग्निवेश जी के जाने के बाद से न तो अखबारों में समाचार आता है और न ही टी.वी. पर आर्य समाज की चर्चा दिखाई एवं सुनाई देती है।

कार्यक्रम के अन्त में बंधुआ मुक्ति मोर्चा के विशिष्ट कार्यकर्ताओं को शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कार्यकर्ताओं में श्री राजेश याज्ञिक अलवर, राजस्थान, श्रीमती शशि अहीरवार गुना, मध्य प्रदेश, श्री नत्थू सिंह चित्रकूट, उ. प्र., श्री गफ्फार खान, शिवपुरी, मध्य प्रदेश एवं सरदार हरभजन सिंह शिवपुरी, मध्य प्रदेश, श्री अश्विनी, अग्नियोग आश्रम बहल्पा गुरुग्राम, हरियाणा, श्री मायाराम सूर्यवंशी फरीदाबाद, हरियाणा, श्री रामशरण पाली, गुरुग्राम, श्री भानू प्रताप गढ़ी, नई दिल्ली आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

स्मृति सभा में स्वामी सोम्यानन्द, मानव सेवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री चन्द्रदेव शास्त्री, कार्यकारी अध्यक्ष श्री रामपाल शास्त्री तथा श्री सोमदेव शास्त्री, श्री मधुर प्रकाश शास्त्री, श्री बलजीत सिंह आदित्य, श्री राम कुमार आर्य, श्री ऋषिपाल शास्त्री, आर्य समाज नवी करीम, दिल्ली, श्री तोताराम भील, फरीदाबाद जिले के सभी डेरा प्रधान विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्मृति सभा को सफल बनाने में सर्वश्री श्री विष्णुपाल कोषाध्यक्ष, श्री अशोक कुमार वशिष्ठ, श्री जावेद, श्री सोनू तोमर, श्री संतोष कुमार, श्री मकेन्द्र कुमार, श्री विष्णु भण्डारी के अतिरिक्त श्री प्रवीण पहलवान, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री रविन्द्र कुमार, श्री ललन राय, श्री माधो सिंह, श्रीमती प्रभा देवी आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की सफलता एवं सभी महत्त्वपूर्ण आमंत्रित महानुभावों की उपस्थिति के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वामी आर्यवेश जी ने सभी को आश्वस्त किया कि वे स्वामी अग्निवेश जी के द्वारा चलाये गये बंधुआ मुक्ति, मानव अधिकार, धार्मिक अन्धविश्वास एवं पाखण्ड, नारी उत्पीड़न, जातिवाद, नशाखोरी, साम्प्रदायिकता, भष्टाचार एवं शोषण आदि मुद्दों के अभियान को गति प्रदान करने में कोई कमी नहीं रखेंगे। उसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित रहेगा। शान्ति पाठ के बाद सभा सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात् सभी ने भोजन ग्रहण किया।